MCM-YSR/3E/5.00

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (क्रमागत) : आज वे लोग अपने घर वापस आ गए और लाखों लोग बेरोजगार हो गए। इस कारण काफी फैक्टरियां बंद हो गईं, कम्पनियां बंद हो गईं, तो उनके मालिक कहते हैं कि हमारी कम्पनी बंद होने के कारण आपको अब नहीं रख सकते। इस कारण वे लोग अपने घर आ गए, अपने वतन आ गए। अब वहां उनके पास रहने की समस्या है, क्योंकि वे 5 साल, 10 साल पहले नौकरी के लिए घर छोड़ कर चले गए थे। अब उनके पास मकान नहीं हैं और वे गरीबी रेखा के नीचे हैं। तो भारत सरकार को चाहिए, वैसे तो आजादी के 70 साल बीत गए, आज तक केन्द्र सरकार यह आंकड़ा नहीं लगा पायी कि देश में कितने लोग गरीब हैं, कितने लोग अमीर हैं, किन को बी0पी0एल0 कार्ड मिलना चाहिए, किन को अंत्योदय कार्ड मिलना चाहिए, आज तक इसका सर्वे नहीं हुआ। स्थानीय निवासी जिनका नाम बी0पी0एल0 में है उनको ए0पी0एल0 में कर दिया और ए0पी0एल0 वालों को बी0पी0एल0 में कर दिया। तो लोगों को न तो राशन मिल पा रहा है और न उनके बच्चों को कोई सुविधा मिल पा रही है और न उनको मकान मिल पा रहा है।

उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) : प्राइवेट मेंबर बिल के हिसाब से यह और 5 मिनट चलेगा।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद : केन्द्र सरकार की जो योजना है, इसमें पहले इंदिरा आवास योजना चली थी। इंदिरा आवास योजना के बाद प्रधान मंत्री आवास योजना हो गई। मैं बधाई दूंगा उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य मंत्री अखिलेश यादव जी को, उन्होंने

खास तौर से बुंदेलखंड के लोगों के लिए राम मनोहर लोहिया आवास योजना के तहत तीन लाख पांच हजार रुपए देने का काम किया। इससे दो कमरे का मकान बनेगा, जिसमें किचन और बिजली की व्यवस्था होगी। इसी तरह से हम केन्द्र सरकार से चाहते हैं कि एक लाख रुपए में प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत कुछ नहीं होता। आपकी दाल इतनी महंगी हो गई। उत्तर प्रदेश में सी0बी0आई0 जांच भी चल रही है। इससे वहां एक शौचालय भी नहीं बन पा रहा है। वहां पर किसी को बालू नहीं मिल पा रही है। कोई डस्ट से बना रहा है और कोई बना भी नहीं पा रहा है। तो आपकी यह स्वच्छता योजना भी फेल हो रही है। हम चाहते हैं कि आप लोग वहां के लोगों के लिए इसकी व्यवस्था करें, सब के लिए मकान, सब के लिए रोजगार। जो युवा 18 साल का हो जाता है उससे आप कहते हैं कि वोट दीजिए। वह बेचारा उत्साह से वोट देता है। लेकिन क्या उसको रोजगार की कोई व्यवस्था है? विदेशों में जो युवा 18 साल से अधिक का हो जाता है, चाहे उनको गवर्नमेंट जॉब मिले या प्राइवेट जॉब मिले, उसको रोजगार की गारंटी मिलती है। तो भारत सरकार को एक संकल्प लाना चाहिए, एक विधेयक लाना चाहिए कि नौजवानों के लिए जो 18 साल की उम्र का है और हमको वोट देता है तो उसको भी रोजगार पाने का अधिकार होना चाहिए।

बुंदेलखंड का हमारा नौजवान हताश है, निराश है, परेशान है। वह कभी-कभी गलत रास्ते पर चला जाता है। वहां का किसान रात में जब खेत की तराई करता है तो रात में बदमाश आकर उसको उठा लेते हैं। बदमाश उससे खाना मांगते हैं। अगर खाना नहीं देते हैं तो उसकी जान ले लेते हैं। फिर दिन में जब पुलिस आती है और

कहती है कि तुमने बदमाश को खाना क्यों दिया, तो इससे वह अपना खेत छोड़ कर चला जाता है। तो इस प्रकार बुंदेलखंड की विषम परिस्थितियां हैं। वह पहाड़ों से घिरा हुआ है और इतना बीहड़ क्षेत्र है। वहां पर सिंचाई के साधन नहीं हैं। हम लोगों ने मांग की थी कि जिस तरह से गंगा नहर है, यमुना नदी है। तो यमुना नदी में एक तटबंध बना दिया जाए, जिससे पूरे बुंदेलखंड के लिए सिंचाई की व्यवस्था हो सके, इससे वहां का किसान जो परेशान है, वहां से पलायन कर रहा है, आत्महत्या कर रहा है, तो उससे वह परेशानियों से ऊपर उठे। तो मैं अपने संकल्प के माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करता हूं, चूंकि वह यह कह कर बहाना नहीं बना सकती कि हमारे पास अधिकार नहीं है। अगर बुंदेलखंड के लोगों की आत्महत्या रोकनी है, उनकी भुखमरी दूर करनी है तथा उनकी आपदाओं से निबटारा करना है तो उनके लिए अलग से आपको पैकेज देना होगा।

(3F/SC पर जारी)

SC-VKK/5.05/3F

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (क्रमागत) : तो आपको उनके लिए अलग से पैकेज देना होगा। आप उन्हें एक लाख करोड़ का पैकेज दीजिए।

उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) : विशम्भर प्रसाद जी, यह चर्चा यहीं रुकेगी।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद : सर, आप इसे आगे continue करिए, ताकि हमारी यह चर्चा जारी रहे।

उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) : जी, फिर आगे यह continue होगी। Now, Special Mentions.

(Ends)

SPECIAL MENTIONS*

AKG/9A

DEMAND FOR OPENING KENDRIYA VIDYALAYAS IN CERTAIN DISTRICTS OF BUNDELKHAND REGION IN UTTAR PRADESH

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालयों की कमी है। केन्द्र की सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों व अधिकारियों के बच्चों को शिक्षा अध्ययन कराने में परेशानियाँ होती हैं तथा पिछड़े क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को सरकारी विद्यालय न होने के कारण निजी स्कूलों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके कारण बच्चे पढ़ नहीं पाते हैं, क्योंकि निजी स्कूलों की फीस ज्यादा होती है, जिसको बुंदेलखंड के जनपद बांदा, हमीरपुर, जालौन, चित्रकूट आदि के बच्चे नहीं दे पा रहे हैं। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 50 नए केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने की घोषणा की है। इस सम्बन्ध में हमारी माँग है कि बुंदेलखंड के पिछड़े क्षेत्र जनपद बांदा, हमीरपुर, जालौन और चित्रकूट में एक-एक नया केन्द्रीय विद्यालय खोला जाए, जिससे गरीब बच्चों को भी केन्द्रीय विद्यालय में शिक्षा मिल सके।

---

*Laid on the Table.

अतः सदन के माध्यम से मैं केन्द्र सरकार से माँग करता हूँ कि उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा, हमीरपुर, जालौन और चित्रकूट में 2017-18 में केन्द्रीय विद्यालय खोले जाएँ।

(समाप्त)

9B/BHS

DEMAND FOR TAKING NECESSARY STEPS TO CELEBRATE MILLENNIUM BIRTH ANNIVERSARY OF SAINT SRI RAMANUJACHARYA IN COUNTRY

DR. T. SUBBARAMI REDDY (ANDHRA PRADESH): Sir, Sri Sankaracharya, Ramanujacharya and Madhvacharya are great philosophers of Sanatan Dharma and have emancipated the ignorants to the right path. Saint Ramanujacharya was born in a village near Chennai in the year 1017 AD and he lived for 120 years and inspired all to practice equality in the society. He was a great social reformer. He treated the downtrodden at par with the elite. He made temples as centres of society where all artisans took active part. He rooted out untouchability and other vices that existed in the society. He gave everyone the same privilege of worshipping God. He

imbibed into the society that women need to be shown utmost respect and empowered them to serve the society as leaders.

Now Sri Ramanujacharya's thousandth year birthday is falling in May, 2017 and many organizations and associations have represented that the 1000th year birthday should be celebrated in a befitting manner by taking the following measures: 1) Issuing Rs.l00, Rs.l0 and Rs.5 coins with Sri Ramanujacharya image; 2) Naming a prominent road in Delhi and at other cities, in the name of Sri Ramanuja Marg; 3) Launching a national scheme on social welfare in the name of Sri Ramanuja; and 4) Building a Mandapam/Memorial to commemorate his 1000th year birthday.

I, therefore, request the hon. Prime Minister and the Central Government to initiate necessary action for this Saint's Millennium birthday celebrations. (Ends)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL): Shrimati Jharna Das Baidya, not here. Dr. V. Maitreyan, not here. Shri Md. Nadimul Haque, not here. Shri Motilal Vora, not here. The House stands adjourned till 11 a.m. on Monday, the 20th March, 2017.

The House then adjourned at seven minutes past five of the clock till eleven of the clock on Monday, the 20th March, 2017.